

<input type="checkbox"/>	
1 (a)	<u>(PART-A)</u> व्यपदेशक (Preposition) - फूल या चमकाना फूलों की वायुस्थिति द्वारा होते वाली ब्रह्मसूत्र की भाँति अर्थ - शब्दों के सम्बन्धों का सामान्य उक्त हो सकता है। जानी है।
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
1 (b)	चिकित्सा - दोषों को हटाने में भिन्न करने पर चिकित्सा बनाई है। रही है। रही है।
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
1 (c)	इसमें X-ray मशीनों का प्रयोग कर शरीर के अन्दर श्वेत कोशिकाओं को देख सकते हैं। इस प्रक्रिया को ग्राम द्वारा की जाती है। कोशिकाओं को बोनस से उपयुक्त है। कोपी वाइट
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
1 (d)	आधुनिक कवियों: कलहामिड, कृति, पुरन्दर लेखा वृत्तव्यसंगीत आदि के लिये दिया जाने वाला कोई एक रूप है। अधिकार यह कोपीराइट आदि। 1999 द्वारा विनियमित है।
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
1 (e)	15 अंकों के प्रश्नों में आरंभ करें। शेष प्रश्नों का आनंद लें।
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	

Write number and sub-part number inside the boxes
वे अपने उत्तरों तथा उप-भागों में लिखें

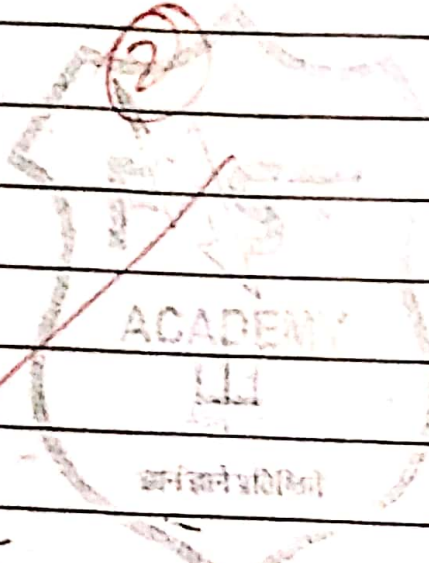
10) गुरुत्व - जो न्यूटन के अनुसार शुरुवात कर्षण बल है
जो किसी दो सिद्धकों के पद्यों के बीच लगने

पारलैल बल को गुरुत्व कहते हैं यदि इनमें एक पृथ्वी
तो उसे गुरुत्व बल कहते हैं।

11) विद्युत क्षेत्र -
किसी विद्युत परिपथ में एक विद्युत द्वारा उत्पन्न होने

पर उसके आसपास का क्षेत्र मायनी क्षेत्र हो जाता है
उस क्षेत्र को विद्युत क्षेत्र कहते हैं

12) संक्रांतिका



13) INSAT ड्रॉ
भारतीय मौसम उपग्रह है जो अगस्त 2016 में

लाunched। ISRO द्वारा इसमें कुल उपकरण
दो पैकेट - Sounder और Imager

14) जीन मैपिंग -

अनुवांशिक पदार्थ का नाम को जीन की स्थिति को
जीन की इकाई जीन से इकाई उनकी कार्य प्रणाली का

अध्ययन को जीन मैपिंग कहता है। यह एक सशक्त
तंत्र अनुवांशिक सीमारेखा के उपकरण है।



Leave Blank
रिक्त छोड़ें

Leave Blank
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line
इस पंक्ति के आगे कुछ भी न लिखें

Leave Blank
रिक्त छोड़ें

Leave Blank
रिक्त छोड़ें

1 (A)

प्रोटीन-संश्लेषण

शरीर के को-भोजन से प्राप्त अमीनो एसिड

को पोषक पदार्थों द्वारा प्रोटीन-निर्माण की प्रक्रिया में

जो राइबोसोम द्वारा ग्लूकोमाय में

किया जाता है

2

11 (B)

वेडविथ

किसी तंत्र के एक चक्र पूर्ण चक्र में घूमने

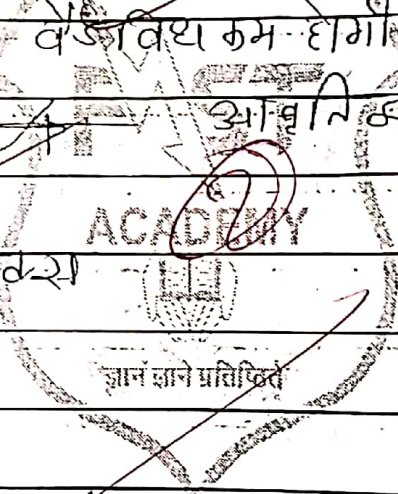
वेत के बीच की दूरी को वेडविथ कहते हैं आवृत्ति

अधिक होगी तो वेडविथ कम होगी

आवृत्ति के स्थिति

11 (L)

युग्मकीय फलक



11 (M)

कार्बोसिल

यह सुइयों से बनी उपग्रह है जिसका प्रयोग

प्राकृतिक संसाधन-मानचित्रण, अमीबा-शैली-अवस्था

निर्माण हेतु मानचित्रण, स्थलाकृतियों का इन्फ्रा-प

का अध्ययन एवं आपदा-प्रबंधना में किया

जाता है

2



ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न नं प्रश्न प्रभागों तथा उपप्रभागों अंकित करें

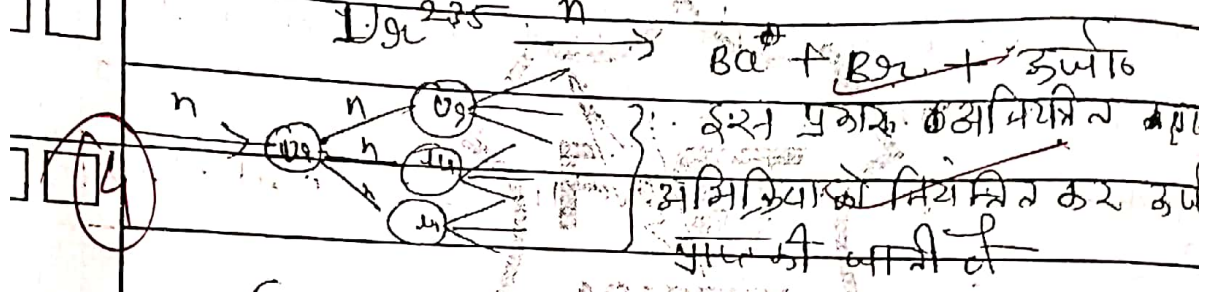
1 (A)	रेडियो आइसोटोप
□ □	इस पदार्थ को आयन को त्याग कर या गूँ हो
□ □	कर रेडियो सक्रियता उदरित करने है तथा उमा
□ □	बनामिठ अर्थवायी हो जाना है उमा
□ □	जैसे Na ⁺ , Ca ⁺⁺ (B)
1 (B)	जाम (जम्प)
□ □	आनुवांशिक पक्ष से बायोडिनामिकल जो अचिंत
□ □	उत्पादन की परिशुद्धी परिष्कृत मांसमा में उगाई
□ □	जाने वाली व्यवस्था की है
□ □	उदा 0 डा कपास 0 जाम करसो 0 आगो लडन राइल
□ □	ACADEMY (B)
□ □	ज्ञान ज्ञाने शक्ति
□ □	
□ □	
□ □	
□ □	
□ □	

Leave Blank

2 (A) नाभिकीय विखण्डन -

जब एक भारी नाभिक यूरेन के परिवर्तन के कारण दो हल्के नाभिकों में बँट जाते हैं तो उसे नाभिकीय विखण्डन कहते हैं।

नाभिकीय विखण्डन के परिणामस्वरूप अधिक मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है, एवं यूरेन नाभिक पुनः म्यूऑन की सहायता से विखण्डित होते हैं यह एक श्रृंखला अभिक्रिया होती है।



12 (B) आर्य मह प्राचीन भारत के महान गणितज्ञ महान ज्योतिष विद्वान् रंगोल शास्त्री थे। खगोलिक

शरदोपिषिस में योगदान -

(1) इनके अनुसार पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है।

(2) भूरेखीय मॉडल दिया -

(3) पृथ्वी की परिधि - 39900 किमी है।

(4) पृथ्वी का आकारकाल 23 घंटे 56 मि. 4 सेकेंड लगाया। जो साधुनिष्ठ समय के अनुरूप है।

(5) पृथ्वी के एक वर्ष की अवधि - 365 दिन 6 1/4 12 मि. काकलित की थी।



अनुसंधान संख्या और सहायक संख्या इसके कि लेखक
विषय में प्रत्येक प्रश्न के अंत में दी जाती है

2. (क) हीनता रक्त की संख्या - जो नलिका विघन होती है
घामोन का रक्त वाहक कृती है विनका उभाव दीर्घ काल
तक रहता है प्रमुख रोगी - पियूरा रोगी को -
(वृद्धि हार्मोन, वेस्टोपेशिव, डॉबरी लैसिन), थायराइड रोगी,
(शारंगमिनत) नुपेराथायराइड, अगाशय (रक्त सुक्तिन),
रक्षाधिषुबक (एग्जीनिल) आदि हैं जो, हार्मोन रक्त वाहक
कर शरीर के वृद्धि विकस, आंतरिक वानावरण नियन्त्रण,
नये तक्षणों के विकास, आंतरिक संतुलन को बनाये
रखने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। हार्मोन एक
जलिल रसायनिक रसायनिक रसायनिक रसायनिक रसायनिक रसायनिक
प्रधान शरीर में दीर्घकाल तक रहता है

3. (क) शिकित रक्त सीमियासुठ अनुवांशिक बीमारी है
जिसमें लाल रक्त को शिकये मुड़ जाती है। जिसमें
धनुषाकारकप ने लगे होते हैं और इसके परिणाम
स्वरूप रक्त की RBC की O₂ वहन क्षमता कम
धीमोगोविस निर्माण कम हो जाता है और रोगी की
मृत्यु हो जाती है

3. (क) उपनाल - यह एक अनुवांशिक बीमारी है जिस
में जो पीपी दर पीपी संचरित होती है परन्तु इसका
पीन धैरेपी के माध्यम से इस रोग का उपचार
संभव है। अतः अनुवांशिक रक्त संशोधन व द्वारा
इस रोग का उपचार होता है अथवा के ई टी का
विकसित नहीं किया गया है



15

किसी कार्य के समय की प्रगति
 किसी कार्य के समय की प्रगति विनिर्माण
 कसोटी लक्ष्य को बंधो बंधो कसे है
 यह बंधो बंधो प्रदान हाश लक्ष्य को
 समान रीतसा जाने पीर का निर्माण करी है
 (1) उपायिक व लानिक - कसोटी को शरीर
 प्रसर बरत पर कार्य कर बन्ने कसोटी व कसोटी
 मन्त्रिणा राना जाना है
 (2) मन्त्रिणा राना जाना है - कसोटी को शरीर
 विलक्षण कर नये जीमि का निर्माण है,
 मानव के प्रमाणिक प्रसर मानव का निर्माण
 कसोटी के अन्तर्गत है परन्तु यह मानव रर
 पा जनि वैशिश्ट्य है।

35

16

नेने प्रोग्रामि की प्रर 109 का के बरत पर कार्य करनी है
 रोग निदान - (1) हाश बरत रर डिलीवरी शिष्ट रर
 वा उपायिक को वाश मे रोग का निदान।
 (2) चांकी के नेने कसोटी वें विररीयल रर रर
 रर रर करना।
 (3) नेने लोड हाश रर वर रर रर रर।
 (4) कसोटी मन्त्रिणा राना - नेने रर पर उरर
 (5) फुलेरीय मे रर रर का उरर रर रर रर
 रर का उरर रर।
 (6) रर रर रर रर रर रर रर रर रर रर रर
 रर रर रर रर रर रर रर रर रर रर रर
 रर रर रर रर रर रर रर रर रर रर रर

35

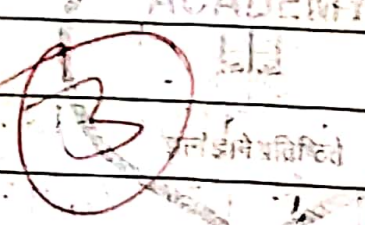


ANSWER BOOK

उत्तर पुस्तिका

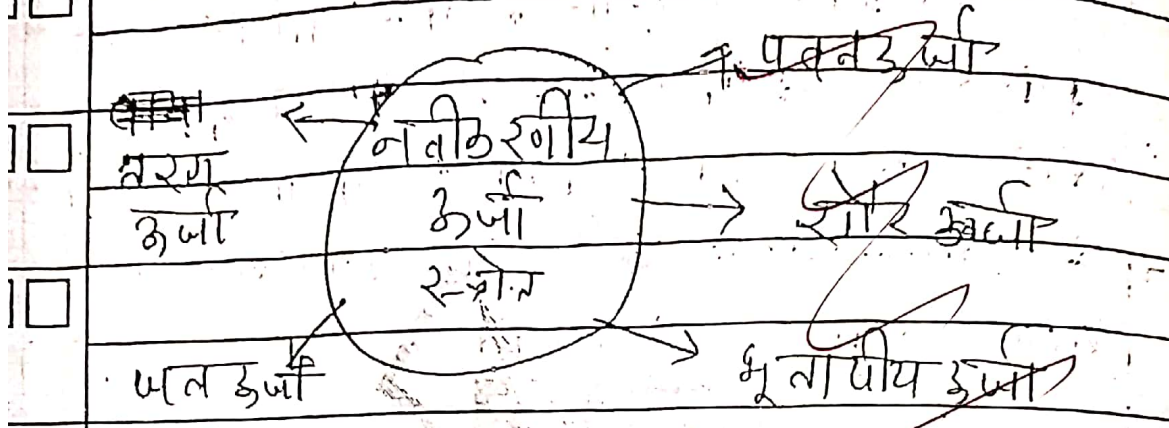
Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न क्रमांक तथा उपप्रश्नांक अंकित करें

- (R) अलनीनी एक गम जलधारा है जिसकी उत्पत्ति पेरू के तल्ले शान्तामर निम्न वायुमण्डल उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है क्योंकि पूर्वी उष्णतट सागर में चिम्ब वायुदाब का केंद्र बनता है वल्ले परिणाम स्वरूप पेरू के तट पर भीषण वर्षा होती है वही ऑस्ट्रेलिया दक्षिण पूर्व एशिया एवं भारतीय मानसून प्रणाली रूप से प्रभावित होती है यह शीतल विश्व को प्रभावित करती है जिसका मुख्य कारण ठंडा द्रवीय वापन है पहले यह २ वर्ष के अंतराल पर परन्तु अब चार म्धारता बढ़ गई है



Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न संख्या तथा उपप्रश्नों के अंदर हों

10 नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत -
इसे ऊर्जा स्रोत मिलने दोहरा पर यह
समाप्त नहीं होने है तथा इनका असीमित
उत्पादन किया जा सकता है इसे अक्षय
ऊर्जा स्रोत भी कहते हैं



10 परन्तु ऊर्जा उत्पादन हेतु उच्चतकनीकी
की आवश्यकता होती है। आधुनिक नवीन
तकनीकी के अभाव में वर्तमान में भारत में
मात्र 65 MW ऊर्जा उत्पादन नवीकरणीय
स्रोत से हो रहा है परन्तु 2022 तक 175 MW
का लक्ष्य तय किया है

10 अ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत -
इसे विपन्न अर्थव्यवस्था ऊर्जा स्रोत मिलने
अण्डर सीमित है एवं अत्याधिक दोहन के
बाद इनकी उपलब्धता समाप्त हो जायेगी
तथा पुनः निर्माण में करोड़ों वर्षों का समय
लगता है। अ नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है

Leave Blank
रिक्त छोड़ें

Leave Blank
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank
रिक्त छोड़ें

Leave Blank
रिक्त छोड़ें



प्रश्न विषय कोथला
 क्षमता 220 मि
 क्षमता 220 मि
 क्षमता 220 मि

एलमान में और कुर्मा स्वर्णशिक म एल
 वीरलीय कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना ए म हिने एरफी कुर्मा शाला एलम
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में

आर्य
 आर्य
 आर्य
 आर्य

एर एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में

एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में

एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में
 एलमाना कुर्मा र्मोप ही भारत में



Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

विभिन्न प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप कार्बन

डायऑक्साइड या अन्य पदार्थों को वायु में

अपशिष्ट कहते हैं

जैसे - प्लास्टिक, लकड़ी की बालू, काँच

अनुपयुक्त लकड़ी का सामान्य लोह वस्तुएँ,

धातु की वस्तुएँ, विविध कठोर पदार्थ, आदि।

प्लास्टिक बर्तन

वायु अपशिष्ट का कम करने हेतु

आवश्यक कार्य का पालन करना वायु अपशिष्ट

पुनर्चक्रण का एक

सर्वोत्तम वायु अपशिष्ट वर्गीकरण

वायु अपशिष्ट

अन्य अपशिष्ट

वायु अपशिष्ट

वायु अपशिष्ट

वायु अपशिष्ट

उत्पादन

विभिन्न प्रणालियों का

पुनर्चक्रण से तभी

उपयोग

(3)

Recycle

वायु

अपशिष्ट

के लिए

उत्पादन

Reduce

कम से कम उपयोग

करना

अवशिष्टों का

पुनर्चक्रण कर

बाँचे हुए वस्तुओं का

Reuse

पुनः उपयोग हेतु

उपयोग करना



Number and sub-section number inside the boxes
उत्तरांका तथा उपउत्तरांका अंकित करें

4) असमीकरण - अवशिष्टों को 200°C

उच्च ताप पर दहन कराया

5) पायरोलिथिसिस

वायु / कॉम्प्लीज की अनुपस्थिति

में दहन कर विभिन्न उपयोगी

पदार्थ प्राप्त कर सकते हैं

6) डम्पिंग - अर्थों के बाहर अन्य

व्यवस्थितियों में गढ़ा कर

कर अवशिष्टों को अर्थों

के अंदर मादना

भूमि प्रदूषित है भूजल प्रदूषित

7) समुद्र में डम्पिंग

गहरे समुद्रों में अवशिष्टों का

निलम्बण

8) पुनः चक्रण हेतु लॉट लगाना

- अर्थ लॉट्स से पुनः विभाजन

- धातुओं का पुनः उपयोग

- अंतर्राष्ट्रीय पदार्थों का उपयोग

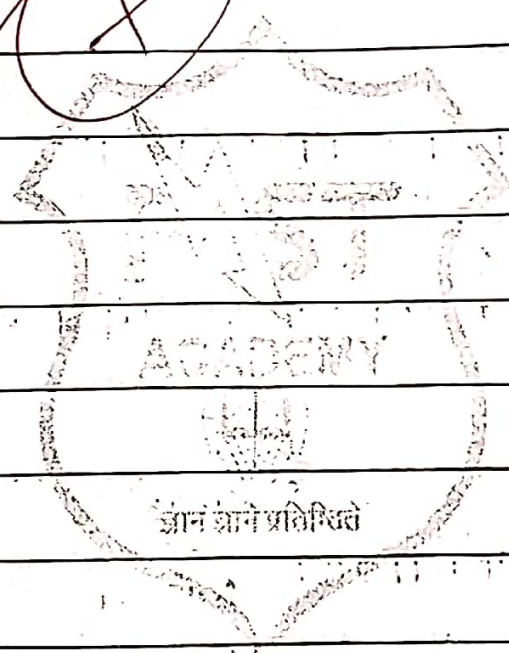
वैश्विक स्तर पर उपयोग

- दहन से प्राप्त ऊर्जा का उपयोग

वीयलर संयंत्रों में

इस प्रकार विभिन्न विधियों का
प्रयोग करके आप शिष्टता के विकास में किया
जा सकता है परन्तु आवश्यक है कि लक्ष्य
उपभोगिता की प्रकृति को ध्यान में
रख ले लें उपयोग किया जाये।

2



Leave Blank

Leave Blank

Do not write beyond this line



ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

Q number and subsection number inside the boxes
प्रश्न क्रमांक तथा उपप्रश्न क्रमांक अंदर लिखें

- 0
- समुपयोग द्वारा अपने संशुद्ध जीवन
 काल में जीवा चक्र के दौरान निम्न
 व्याख्या उत्पादन एवं प्राकृतिक संसाधनों
 का प्रयोग को वर्गीकरण सहज बन पड़े
 प्रमाण देना हो - व पारिस्थिति
 पारिस्थितिकी को प्रभावित करना दो
 पारिस्थितिकी पट चिन्ह कहना
 है।
- पारिस्थितिकी पट चिन्ह की
 गणना हेतु -
- ① व्यवस्था जीवन उत्पादन की मात्रा
- कारणों निर्वाणीकरण Global
उद्योग Warmin
Cost शी
- ② वर्गीकरण एवं निर्वाणीकरण के द्वारा
 ③ उद्योगों द्वारा निम्नलिखित निकाला गया।
 अपशिष्ट व इसके प्रबंधन।
 ④ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन।
 ⑤ पारिस्थितिकी तंत्र को बर्बाद करना
 विशेष

Question number and subsection number inside the boxes
बक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

<input type="checkbox"/>	पारिस्थिति पद चिह्न की महत्व
<input type="checkbox"/>	क (1) Eco-footprint पुरुष रूप से यह दर्शाता है कि मनुष्यों द्वारा प्रकृति के उपयोग उसकी पुनरुत्पादन क्षमता के अनुरूप किया जा रहा है या नहीं।
<input type="checkbox"/>	(2) यदि किसी पुनरुत्पादन क्षमता से अधिक उपयोग होगा तो पर्यावरण में असंतुलन अवश्य उत्पन्न होगा।
<input type="checkbox"/>	(3) मनुष्यों को उत्सर्जन क्षमता सीमित रखने हेतु प्रेरित करने।
<input type="checkbox"/>	(4) प्रकृति के प्रति जागरूक करने।
<input type="checkbox"/>	(5) जीवन शैली को प्रकृति अनुकूल बनाने।
<input type="checkbox"/>	(6) पर्यावरण की स्वतंत्र मिश्रणीय मूल्यांकन करने हेतु व्यवस्थाओं व श्रेणियों को गठित करने।
<input checked="" type="checkbox"/>	इसलिए के लिये प्रेरित करने ताकि प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति में उत्पन्न आपदाओं को रोकना या परिवर्तित जैसी क्षीयण घटनाओं से बचना या संभालें
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	



number and subsection number inside the boxes
प्रश्न क्रमांक तथा उपप्रश्नांक अंदर लिखें

सिद्धांत

क

मॉडम -

मॉड्यूलर व डिमाड्यूलर से क्या अर्थ

ख

पिपलक उपयोग - विद्युत संकेतों को डिजिटल संकेतों में बदलने के लिए डिजिटल संकेतों को विद्युत संकेतों में बदलने के लिए।

ग

पिपलक में बदलने के लिए।

प्रनालोग TO Digital

घ

लीथियम -

च

छ

ज

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

विद्युत गुंथी

अर्थ: संचालनी गुंथी, धातुयों के संधि ले लुडी, अंगमालिका में उपस्थित अर्थ गुंथियों में समन्वय स्थापित करती है। मार-टर् गुंथी कहलाती है - हार्मोस - वेरोपेक्टिव, थ्रिस्ट हार्मोस

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

झ

All question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न संख्याओं के साथ उपसर्गों को अंकित करें

1 (A)

वैलिविधना मापन (विविधना) जिसे किसी एक प्रजाती के जीवों में विविधता

2 (A)

को मापा जाता है इसे अलुवाथिक विविधता भी कहते हैं

3 (A)

कार्बन फुट प्रिंट -

4 (A)

एक मानवीय गतिविधियों के कारण उत्पन्न CO₂ तथा अन्य कार्बनिक तत्वों को

5 (A)

संपूर्ण जीवन चक्र में ~~संयोजित~~ आकलन करना

6 (A)

वायोमेट्रिक सूचना -

7 (A)

मनुष्यों की रेडिया रेडम और आयरिस स्कैन, फिंगरप्रिंट, धामप्रिंट आदि की सहायता से वायोमेट्रिक सूचना कहते हैं

8 (A)

PSLVXL

9 (A)

ध्रुवीय उपग्रह उद्योग यान

10 (A)

जिसकी जो PSLV का उद्घाटन 2017 में हुआ है इसे 6 स्टेज लगे हैं तथा 4 चरमो इंजन हैं

11 (A)

नैनो कण - 100 nm से 1000 nm तक के कण को ~~कहा~~ ~~कहते~~ कहते हैं 10⁻⁹ से 10⁻⁶ m के ~~कण~~ आकार के कणों को ~~कहते~~ कहते हैं नैनो स्तर पर पदार्थ के ऑप्टिक, इलेक्ट्रॉनिक गुण बदल जाते हैं



Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न संख्या में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

(N)

क्षेत्रमिति

(R)

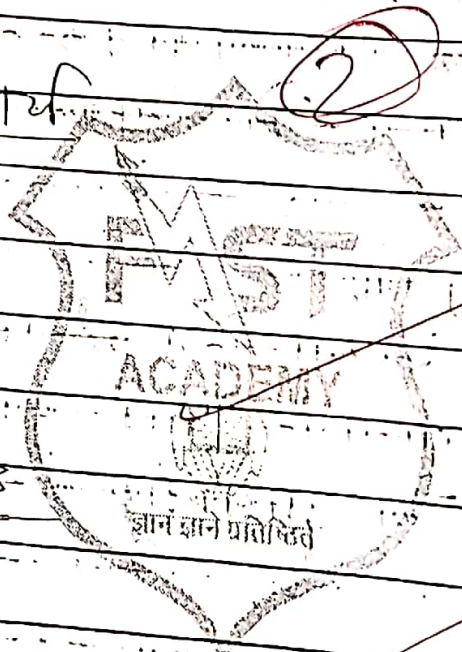
सक्रिय शोर्ट सेलिंग के अंतर्गत शुद्ध तरंगों में
डाबरक तरंगों का उपयोग किया जाना चाहिए
सभी मौसम में शुणवत्त पूर्ण शक्ति प्राप्त
होसके।

(P)

धार्मिक कार्य

(M)

व्य-आर-कोड



(N)

SWAN

स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क कक्षा पर
कंप्यूटर नेटवर्क के साथ इंटरनेट की
उपलब्धता के साथ-साथ एरिया विशेष के लिये
कार्य करेगा।



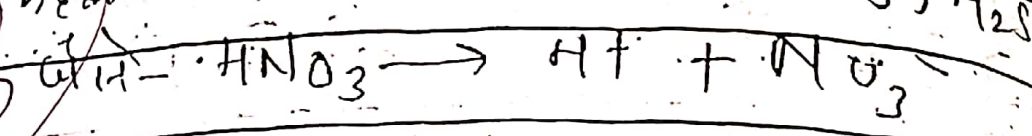
10

प्रबल अम्ल -

बिना अम्लों का ज्वलीय विद्युत में

पूर्व कियो जन् हो जाते हैं प्रबल अम्ल

कहे जाते हैं HCl , HNO_3 , H_2SO_4



2a

लाइफाई - वायरलेस फिडेलिटी जो

नरंगों के आधार पर कार्य करती है यह 100

मीटर के इन्टरनेट उपलब्ध

करती है इसके द्वारा कंप्यूटर

मोबाइल, लैपटॉप, विडियो कैमरे व

विभिन्न उपकरणों के बीच जोड़ने लोडल एडिशन

नेटवर्क बनाया जा सकता है

लाइफाई - इसमें प्रकाश तरंगों का उपयोग

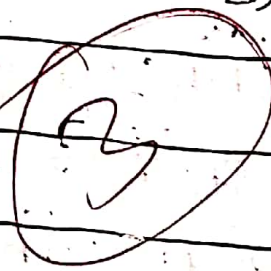
कर इंटरनेट की उपलब्धता, एडिशन

प्रयोग होगा जहां तक प्रकाश की पहुंच व शक्ति

इंटरनेट उपलब्धता व लाइफाई के विपरीत

भौतिक अवरोधों को पार नहीं कर सकती है

अतः सुरक्षा रण कम ऊर्जा खपत होगी



Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

10

कृषि प्रबंधन - उपलब्ध कृषि तथा कृषि

संसाधनों का ध्यान रख कर उपयोग करना। यह

कृषि दक्षता एवं कुशलता में वृद्धि करने के लिए

किये जायेंगे। कृषि प्रबंधन उद्देश्यों को

सुदृढ़ - 1) कृषि गहन उपकरणों के उपयोग में वृद्धि

2) कृषि का अत्यधिक वितरण तथा सभी

की सामान पहुंचना होगा।

3) प्राथमिक कृषि संसाधनों का अत्यधिक ध्यान

नवीकरणीय कृषि उत्पादन हेतु आवश्यक तकनीकों

का अभाव तथा अविदेशी पर निर्भरता।

4) आश्चर्यचकित संसाधनों की कमी।

5) वाणिज्यिक कृषि व उद्योगों में अत्यधिक उत्पादन।

11

आरंभिक चरण में आरंभिक चरणों में। आरंभिक

परमाणु कार्यक्रम के प्रथम चरण में

सर्वोच्च प्राथमिकता रखी।

→ हमी प्रथम चरण आरंभ के अर्धीन कार्य किया

वैश्विक में विदेशों को।

→ परमाणु धनियारों पर अविपकार व वैश्विक

अनुसंधान व पर्यावरण कार्य किया।

→ भारतीय शासकों के लिये औद्योगिक रक्षा

कार्यक्रम की शुरुवात की।

→ परमाणु कार्यक्रम से 4 दशकों के तक

पहुंचे रहे।

12

- (1) व्वाट्स कम्प्यूटर मुख्य रूप से व्वाट्स ऑप्टिकी पर आधारित है जो दो सिद्धांतों पर कार्य करते हैं \rightarrow सुपर को प्पिशन लेकी और रजत टैग व मेट। यह ए-की सिपिंग पर आधारित होते हैं।
- (1) व्वाट्स ऑप्टिकी में
- (2) सुपर कम्प्यूटर के निर्माण
- (3) वैशानिक अनुसंधान में
- (4) मैमोरी के अत्याधिक विस्तार में
- (5) पदार्थों के व्वाट्स गुणों के अध्ययन में
- (6) दूरस्थ क्षेत्रों में संपर्क विना विचार उपग्रहों के।

जैव उपचार - प्राकृतिक वनस्पतियों एवं सूक्ष्म जीवों का उपयोग कर मृदा की गुणवत्ता को वृद्धि करना सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाना एवं घातकारक पदार्थों को मृदा से कम करना जैव उपचार है।

जैसे - मृदा में O₂ की प्रति से सूक्ष्मजीव वर्धन है या सूक्ष्मजीवों की प्रति करना।

उपकरणों का उपयोग कर पत्त द्वारा क्षमता में वृद्धि करना, सूक्ष्म जीवों वर्धन से - ऑक्सिजन, नैत्र, ब पारा जैसे आरी तत्वों को अव शोषित कर मृदा की गुणवत्ता बनाये सकते हैं।



इंटरनेट - एक बहुत स्तर का वाइड एरिया नेटवर्क है। अर्थात् नेटवर्क का नेटवर्क है।

अनुप्रयोग - (1) आम लोगों को विदेश-उन्मिया की श्वबरे के साथ जोड़ना तथा डिजिटल पाठ के लोगों के द्वारा।

(2) कौन-कौन से देशों की गतिविधियों से जुड़ा।

(3) ~~अनुप्रयोग~~ ~~है~~ ~~इ-गवर्नेंस~~ ~~इ-अध्ययन~~, ई-गवर्नेंस जैसी पहलों से जुड़ा।

(4) इंटरनेट की उपलब्धता से ही डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को हासिल हुआ जा सकेगा।

(5) कौशल से इंडिया और विश्व, सूचनाओं का अन्तर्ग्रहण ~~विभिन्न~~ ~~सूचना~~ ~~उपकरण~~ ~~उपकरण~~।

नेटवर्क - ~~(1)~~ (2)

~~(3)~~

~~(4)~~

~~(5)~~

~~(6)~~

~~(7)~~

~~(8)~~

~~(9)~~

~~(10)~~

~~(11)~~

~~(12)~~

~~(13)~~

~~(14)~~

~~(15)~~

~~(16)~~

~~(17)~~

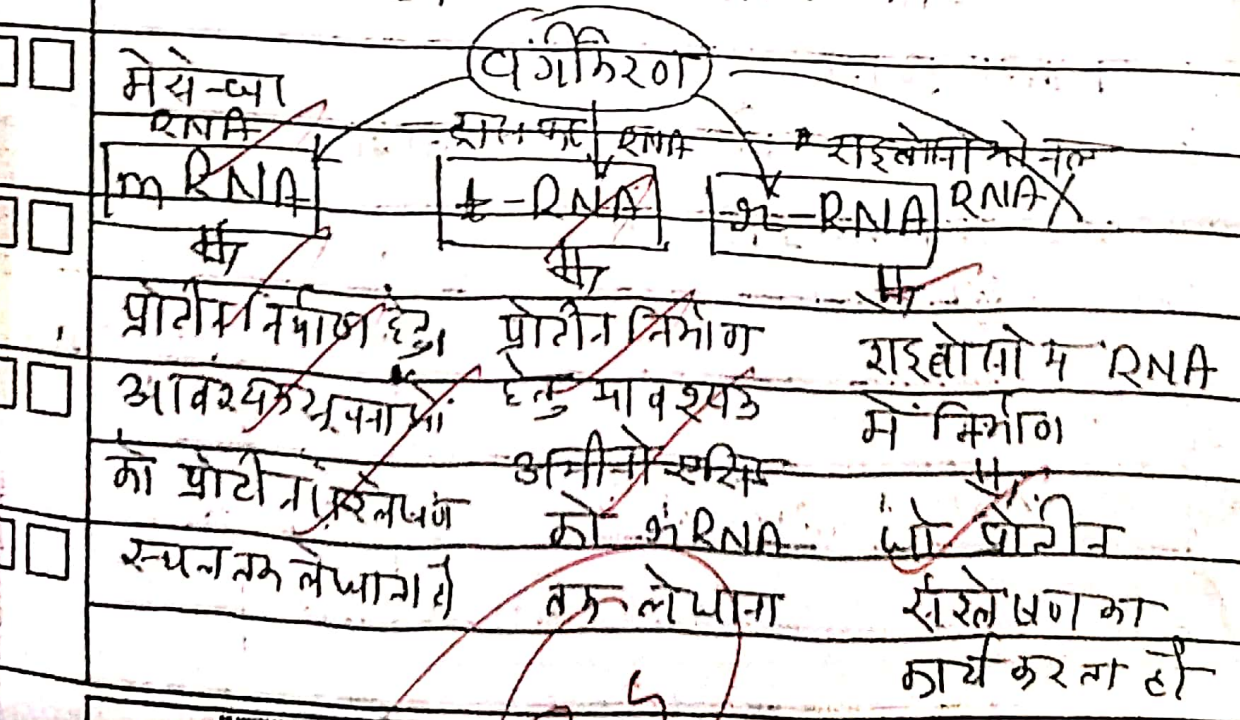
~~(18)~~

~~(19)~~

~~(20)~~

- C-DAC की स्थापना - 1988 में (पुणे)
- उद्देश्य - भारत में सुपर कम्प्यूटर के क्षेत्र में अनुसंधान व विकास करना।
- सर्वप्रथम परम 8000 सुपरकम्प्यूटर का निर्माण किया व PARAM-10 सेनी की शुरुवात, PARAM-10000 का निर्माण को
- नाभिकीय आख्यान में सशम है इसके अतिरिक्त भारत के अतिरिक्त अतिरिक्ती स्वदेश निर्मित
- सुपर कम्प्यूटर - परम युवा 526 Tera flop की क्षमता के साथ - बैंगालि अनुसंधान, मॉडन संवर्धी अस्वपन के उपयोगी है

- RNA - शर्लो - यू बिलकर सिड, श्मल कुडलीय ररचना का अनुवांशित पदार्थ व जिलका उमुख कार्य प्रोटीन का संश्लेषण है। काशिका के के-डम् पाया जाता है।



25

- 1) WIP - वर्क इन प्रोग्रेस प्रोब्लम प्रोब्लम 09-10
- की रक्षापना - 1960-70 के दौरान (विशेषकर)
- भूमिका - (1) को अन्तर्देशीय स्तर पर
- को विद्वत् संपदा वृद्धिकारी का संरक्षण
- के संवर्धन करना। (2) देशों को अपने भौगोलिक
- क्षेत्र में IPR संरक्षण को प्रोत्साहित करना।
- (3) IPR क्षेत्रीय विवादों को समाधान करना।
- (4) IPR क्षेत्रों के निर्माण हेतु देशों के लिये
- सलाह देना एवं सहायता करना।
- (5) IPR के मुद्दों के संवर्धन में प्रचार-प्रसार
- योगों में भाग लेना उभराने करना।
- (6) अन्तर्देशीय स्तर पर देशों में कार्यान्वयन
- के लिये दिशा-निर्देश
- (4)
- A द्वारा 1 काम को करने में
- अवधि = 6 दिन
- अतः 1 दिन में $\frac{1}{6}$ काम
- B द्वारा 1 काम को करने में
- अवधि = 8 दिन
- अतः 1 दिन में $\frac{1}{8}$ काम
- अतः दोनों का 1 दिन में
- कुल काम = $\frac{1}{6} + \frac{1}{8}$ काम
- $\frac{4}{24} + \frac{3}{24} = \frac{7}{24}$ काम
- अतः 1 काम को दोनों = $\frac{24}{7}$ दिन का
- समय लगेगा।

5



3 (क) स्वतंत्र कोशिकाएँ

शैली कोशिकाएँ जो स्वतंत्र विभाजन व पुनःनिर्माण की क्षमता रखती हैं व नये अंगों का निर्माण कर सकती हैं। स्वतंत्र सेल कहलाती हैं।

प्राथमिक श्रुति से

- गर्भनाल के रखने से
- अक्षिभ्रमण से

विशेषताएँ - विभाजन के समय रखने को अपारिवर्तित रखती हैं

→ विशिष्ट कोशिकाओं का निर्माण कर सकती हैं

→ साधारण कोशिकाओं का निर्माण कर सकती हैं

~~स्वतंत्र कोशिका के~~

प्रकार

प्लूरीपोटेंट

मल्टीपोटेंट

टोटीपोटेंट

मोनोपोटेंट



① लोही पोटेरें - सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलोठिया
की अंग का निर्माण करने में
सक्षम है परन्तु इनका चिकित्सी
उपयोग उचित है।
इनकी शक्ति - शुष्ण से अना शुष्ण
नष्ट होने की संभावना रखती है।

② लूरी पोटेरें - इनकी शक्ति की शुष्ण
कोशिकाओं से लोही से माँटे के
वर्तमान में सर्वाधिक उपयोगी है
इनके द्वारा दाँती उकार के अंगों
का निर्माण किया जा सकता है।

③ मली पोटेरें - इनकोशिकाओं द्वारा
हाथीकोश; अंगों का निर्माण
किया जा सकता है।

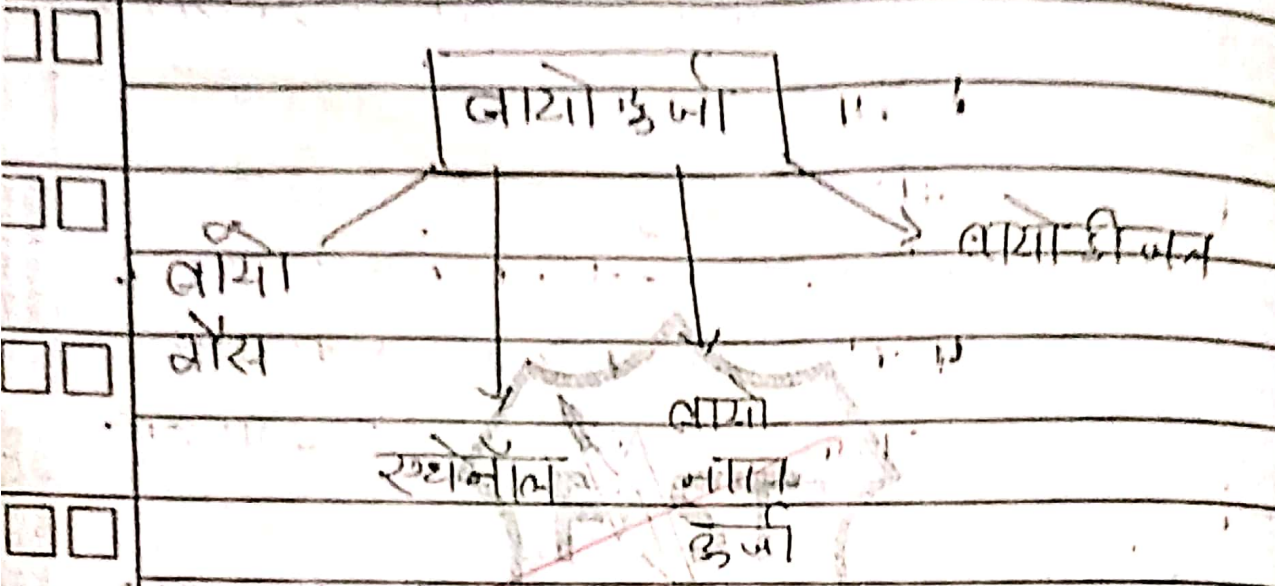
शक्ति - अल्पि येष्यां अतः सुहृत्
विशिष्ट उकार की कोशिकाओं से
द्वारा विशिष्ट अंगों का निर्माण

④ हमोप्रोओलीगो - यह केवल एक ही
प्रकार के अंगों का निर्माण कर
सकती है
चिकित्सीय रूप से कम उपयोगी।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

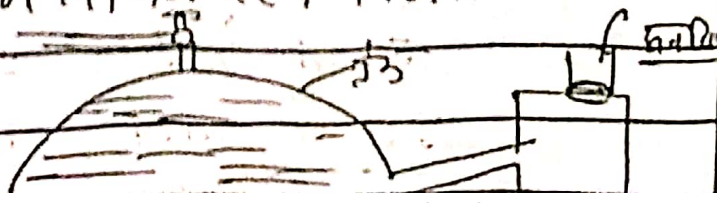
प्रश्न क्रमांक एवं उत्तर क्रमांक एक ही होना
यदि प्रश्न क्रमांक तथा उत्तर क्रमांक अलग हों

1. वायो कुर्जा - प्राकृति वनस्पतियों
शादान्ना, जीव वानस्पतियों के
व्यापन या अन्य सूक्ष्म जीवाणु से
निमित्त कुर्जा को वायो कुर्जा कहते हैं



2. वायो बीजाणु - जीव वानस्पतियों के अपशिष्ट
तथा अन्य जीव अपशिष्ट पदार्थों
द्वारा निमित्त
→ वायो की अनुपस्थिति में सूक्ष्म
जीवाणुओं द्वारा रोग निमित्त होती
→ अधिकांशतः मीठे व अन्य
दुग्धोत्पादन होते हैं
→ प्रयोग क्षेत्र पर LPJ का
प्रयोग कम;

3. कम लागत पर निमित्त



ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

□	शुद्ध नॉल - यह एक प्रकार का शीट या खंभे का	Question number प्रश्न क्र. (3)
□	कोने की रोई द्वारा निर्मित होता है	(3)
□	विषय उद्योग पेट्रोल में किया	□
□	जा सकता है इससे बहुत क्षति	□
□	में घटित होती है।	□
□	- क्षति	□
□	कोयला - शुद्ध नॉल एलेडिड रिज्यू	□
□	पेट्रोल - 20% तक शुद्ध नॉल	□
□	कोयला - चीनी मिल उत्पादों	□
□	को	□
□	बुरा माप - जब अपघटनीय खाद्य	□
□	- ऊर्जा पदार्थ को डाँवसी की मनुष्य	□
□	में अपघटित कर ऊर्जा प्राप्त की	□
□	जा सकती है इसके -	□
□	- खाद्य पदार्थों से प्राप्त हो सकते हैं	□
□	- इस अपघटनीय कारक को	□
□	- बायोडीजल - ऊर्जा खेती द्वारा	□
□	- कोयला खनन, (जड़ोका), अरबी	□
□	आदि द्वारा निर्मित	□
□	- जीवित की कोयला से रखा हुआ	□
□	करता है एवं कम मात्रा में	□
□	प्रदूषण उत्पन्न करता है	□

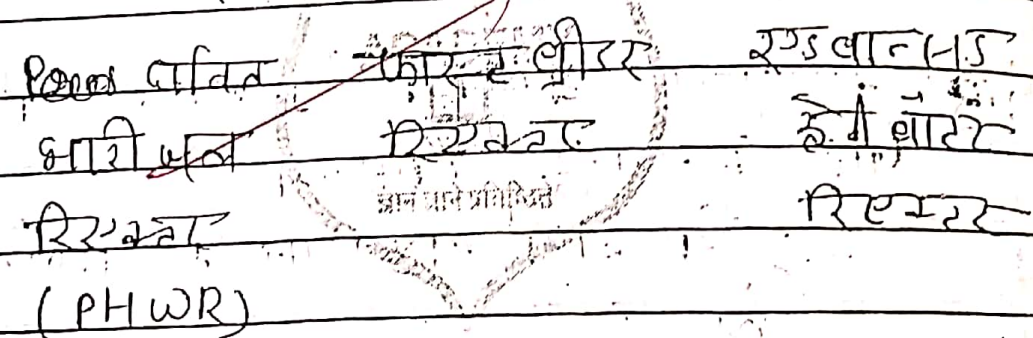


Question number and subsection number inside the boxes
प्रश्न संख्या तथा उपप्रश्नों के अंदर करें

नामिकीय कर्जा कार्यक्रम की अवधि
व. हमी जहागीर आमा ले की

उद्देश्य - भारत को नामिकीय कर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है।
नामिकीय कर्जा का उपयोग शान्तिपूर्ण उद्देश्यों हेतु करना।

प्रमुख चरण



① PHWR → सुरमियम का उपयोग
इधन के रूप में

→ भारी बल में दूध व शीतलकृत
के रूप में

इसका विकास - NPCIL द्वारा

किया जा रहा है

→ यह चरण पूर्ण हो चुका है



1) विश्व वीजर रिस्वटर -

- प्रकृत्य ईंधन - क एल्यूमीनियम-239

- ईंधन कोष में U-235 रहेगा

विद्युत U-239 की ओर

उत्पत्ति होगी।

- इसमें 432 पाव ईंधन उत्पादन करना संभव है

- सतत संचालन

भारतीय विद्युत निगम लिमिटेड

द्वारा

2) एडवान्स्ड प्रेमियर प्रेरकार्ड डेवी
वाटर रिस्वटर - (AMWR)

→ ये अभी मद्रास के चरणम
को

न ईंधन के रूप में थोरियम का
प्रयोग होगा।

यहसमे थोरियम - एल्यूमीनियम

का एक कल आधारित है

यदि यह सफल रहा तो इस क्षेत्र

में क्रांति होगी क्योंकि भारत में

थोरियम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है

विद्युत उत्पादन में

